(eine Schuld): ऋणामस्मिन्समुन्नयत्यमृतत्वं च गटक्ति Cit. aus der Çauti bei Kull. zu M. 9,107.

- 39 1) zuführen, herbeiführen, hinführen zu, herbeibringen, Imd Etwas bringen, reichen, darbieten: देवेभ्या दैव्यं: शमितापं क्व्यं नंपत् RV. 2,3,10. म्रश्नानम्प्रनीतम्न्वा 1,121, 9. ТВв. 1, 5, 9,2.3. Сат. Вв. 2, 3,2,2. 3,8,4,5. उपनयत मेध्या द्वर म्राशासाना मेधपतिभ्या मेधम् Ait.Ba. 2,6. गायपनीतास् MBn. 13,3668. 2,1830. 14,2830. मकृत्या सेनया ग्राजा रमयत्तीमपानयत् ३,३०६३. उपनिन्यर्मकाभागां द्वित्तत्वेन बाङ्गवीम् HAaiv. 1421. विधिनैवोपनीतस्त्वम् Makkin. 109, 12. उपा नयस्व वृष्णा herbeilenken RV. 3,35,3. तम्चा मन्ष्यलोकम्पनयत्ते PRACNOP. 5,3. सीरं धा-मोपनीयते Јаба. 3, 122. लोके विक्तार उपनेष्यति गोक्लं स्म выдь. Р. 2,7,31. रुनम् - चिएडकागृरूम्पनिन्युः 5,9,15. Çıç. 9,72. Pankat. 191, 2. Daçak. in Benf. Chr. 188, 13. लह्मीवतीम्पनयति स्त्रियं च स: (Venus im 8ten Hause) führt zu, bringt uns VARAH. BRH. S. 104, 36. क्रीञ्चनादा-पनीत: (काल:) Rt. 4,18. उपनीय च तं युक्तं र्यम् R. GORR. 2,38,12. Som. 'Nal. 137. उपनीय तु तत्सर्वे शनकै: M. 3,228. Hariv. 4533.5760. मदीयं न्यासम्पन्य Markh. 129, 21. Vikr. 30, 11. Çâk. 31, 6. Varàh. Brh. S. 94, 15. यह जमपनीयते M. 3, 225. MBn. 1, 582. 5, 1294. 13, 6599. स श्रचोन्य-न्नपानानि गणावित च गायवे। मर्च चोपानयतु R. Gorr. 2,47,13. 3,52,51. Мякки. 42, 3. म्रार्यस्यासनम्पनय 144, 25. सूतस्याभरणानि धनुश्चापनीय ÇAR. 8, 13. 90, 17. RAGH. 10, 53. KUMARAS. 7, 72. BUARTR. 2, 90. KAM. Nîtis. 7, 28. Pankat. III, 258. Buâg. P. 1, 11, 4. 4, 23, 37. PK B. 60, 2. Dийнтая. 89, 17. Внатт. 6, 70. क्रिय स्वदेक्म्पानयत् darbieten Ragu. 2, 59. तता उर्घम्दिधः सालाइपनिन्ये जनार्दने Harry. 9724. R. 2,54, 6 (18 GORR.). Kumaras. 3,65. Kathas. 21,8. Raga-Tar. 1,213. zuführen so v. a. mittheilen: राज्ञे पः - उपानपदिज्ञुधर्मान् Shapguruç. bei Müller, SL. 237,7. herbeiführen, bringen so v. a. bewirken, hervorbringen: 39-नयज्ञङ्कीरनेङ्गात्सवम् Gir. 1, 46. Sin. D. 31, 11. नेयं कर्मीपय्कं प्रत्यम्प-नयति कि वकर्तारमभाक्तारमीश्चरम् Paab. 110,9. उपनीत so v. a. da seiend: उपनीत्रागत (वाच:) H. 66. bringen in, versetzen in (einen Zustand): रामस्वामसम्पर्नेष्यति R. 5,87,26. क्रम्ये शयाना हरतो स्त्रीभाव-मपनेष्यति HARIV. 9955. म्रेया अभेखम्पायेन द्रवताम्पनीयते Kim. Nitis. 11,47. प्रजा: हवं वशम्पनयते sich zu Willen machen Çat. Br. 1,5,4,5. सर्वरसान्धान्यानि च संग्रहम्पनीय grosse Vorräthe machen von, en gros einkaufen VARAH. BRH. S. 41 (40), 4. an sich heranziehen: (बाह्र-यामा-कृष्यमाणी) कृटकेणास्य ममोपं ताव्यनीती ट्यवस्थिती R. 3,74,23. तथा-पनीत: Kateas. 25, 187. in Besitz nehmen: भीमा जापा ब्राह्मणस्यापनी-ता RV. 10,109,4. wegführen: ततो माम्पनेष्यति MBn. 4,860. रुड्वेव प्-प्रषो बद्धा कृतात्रेने।पनीयते R. 5,35,3. führen, leiten: म्रन्धा प्रयान्धेप्तप-नीयमाना: Bulg. P. 7,5,31. — 2) su sich nehmen, aufnehmen, vom Lehrer, der den Schüler zum Unterricht aufnimmt; med. P. 1,3,36. Vop. 23,8. म्राचार्य उपनयंमाना ब्रह्मचारिर्णम् AV. 11,5,3. एह्युपेह्नि तयेति तं द्गापनिन्ये Çat. Br. 11, 5, 3, 13. 5, 4, 1. 16. 14, 1, 1, 22. fgg. Àçv. Gṛн. 1, 20. KAUG. 17. KHAND. Up. 4,4,5. BHATT. 1,15. act. PAR. GRHJ. 2,2. Acv. GRHJ. 1,19. GOBH. 3, 1, 11. KAUÇ. 35. ÇÂÑKH. GRHJ. 2, 1.2. SUÇR. 1, 6, 11. उपनीय Киând. Up. 5.11, 7. M.2, 69. 140. उपनीयमान Baig. P. 8, 18, 14. उपनीत 17. M. 2, 49. RAGH. 3, 29. - 3) med. in Dienst nehmen P. 1, 3, 36. Vop. 23, 28. कर्मकारानुपनयंते P., Schol. — Vgl. उपनय fg., ेनाय fg., ेनेतर fg. —

caus. dafür sorgen, dass Jmd (acc.) als Schüler bei einem Lehrer aufgenommen wird M. 11,191.

- 544 einzeln herbeiführen, Opferthiere Çat. Br. 3,9,1,22.
- समुप herbeiführen, heranziehen: ऋषीं श्र समुपानयत् MBH. 1, 4319. 2, 1237. मल्लं समुपनीतेन सुन्हद् । hinzugezogen zu R. 5,86,18. herbeibringen MBH. 4, 1320. श्रन्ये प्रधानवाससो समुपनीयेताम् MRKKH. 88,8. (तं बड्ढा) गातम्याः समुपानयत् MBH. 13,18. hinführen zu: (श्रश्चम्) श्राष्ट्रमतीरू णाम्लं समुपनयेत् VALLAB. BRH. S. 43 (34),17. herbeiziehen so v. a. verursachen: अगत्त्रायं समुपनयन् HAKIV. 10332. an sich ziehen, mit sich nehmen: (श्रश्चान्) जवनानाम्गोश्च कर्रार्थं समुपानयत् MBH. 2, 1036.
- नि 1) hinführen: रिष्टं ने। श्रत्रं त्रिमं नि नेपत् AV. 12,3,55. (माम्) तत्र सर्मि निनयतम् Pankat. 76,19. तेत्रज्ञ एता (बुद्धि) निनयत्तमात्मिन BBAG. P. 2,2,16 hintragen, hinaustragen: रामिकुम्मं विरुधीमान्नियेर्न् (v. l. निनयेषु:) Jión. 3,295. herbeitragen, herbeiholen: निनयेर्ज्ञवं घटम् 296. führen zu, veranlassen zu: नि मात्तरी नर्यात् रत्मे भुज्ञ एर. 1,155,3. 2) neigen: वक्तं निनीय BBNG. P. 1,8,31. 3) niedergiessen, hingiessen, eingiessen: यत्पूर्णापात्रमंत्रवेदि निनयित TS. 1,7,5.3. श्रीयम्यो वृष्टिं निनयित 2,4,9.3. 6,5,2. Çat. BB. 1,9,2,32. 11,5,3,4. उद्म्यालीमादाय गार्क्यत्याद्य श्राक्वनीयानित्यन्नियात् 12,4,1,5.8,4. उद्म्यालीमादाय गार्क्यत्याद्य श्राक्वनीयानित्यन्नियात् 12,4,1,5.8,8,1,8. Кат. Ça. 2,5,6. Àçv. Ça. 9,3. Gau. 1,2. 10. 11. उद्कं नितयेव्हेषं श्रीः पिएउन्तिक पुनः M. 3,218. BBAG. P. 1,8,2. 3) vollführen, vollbringen: यन माला नित्यित BBAG. P. 4,6,50. श्राहम् Kull. zu M. 2,172. 3,91. Vgl. नितयत्, wo statt der 2ten Bed. das Vollführen, Vollbringen zu setzen ist.
 - म्राभिनि zugiessen Schol. zu Kats. Ça. 17,3, 3.
- म्रवनि 1) hineinbringen, einlegen (in's Wasser): उद्पात्रे ऽत्ततान् Çंर्रोह्रेस. दृष्ट्यान्, २२. मार्जालीये जलशान् Çंर्स. 17,17,9. 2) niedergiessen: म्रप: पृथिट्याम् Çंर्रोह्रेस. दृष्ट्य. 6,1.
- उपनि begiessen, daraulyiessen: मूलान्युपनिनयति (प्रात्ताणीभः) ÇAT. BR. 1,3,2,4. 2,6,1,14. 4,5,2,7. न्नपः 3,3,1,7. Látj. 3,2,11.
- संनि zusummengiessen, mischen: सिपर्मधुनी दृध्युद्के च संनिनीय Çâñku. Gau. 1,24. Ça. 4,16,10. 18,13.
- निस् 1) entführen, wegnehmen: निर्वे त्रंत्रं नयति कृति वर्षः AV. 5, 18,4. म्रिप्रिविपम्हेनिर्धात्सामा निर्णायात् 10,4,26. म्रिप्पूर्व निर्णायते निर्मा महत्वसमें 11,2,22. weg/ühren: क्रित्मृक्ष निर्णायति KAUC. 76. NAIGU. 3, 25.—2) auf s Reine bringen, Etwas herausbringen, hinter Etwas kommen. Etwas zur Entscheidung bringen, sich für Etwas entscheiden: यो कि नार्य महापदि । क्रिनेच्ह्रात निर्णातम् R. 5,85,11. नम्प्युपायमात्मनैय निर्णाय विभव्यतः in Brit. 194, 19. इत्यत्यवहारान्निर्णातुं न शक्यते मार. 73,22.पुरावृत्तकयोद्गरिःकयं निर्णायते परः 111,105. निर्णाय गुभल्यं यात्रार्य द्रातु 94,9. वस्तु निर्णायता स्वयम् स्वदं निर्णायते हिर. निर्णात व्याप्त स्वयम् स्वदं निर्णायते स्वयम् स्वदं निर्णायते स्वयम् स्वदं निर्णायतः स्वयम् स्वदं निर्णाति व्याप्त स्वयम् स्वदं प्राप्त स्वयम् स्वदं प्राप्त स्वयम् स्वयम्यम् स्वयम् स्वयम्यम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम
- विनिस् vollkommen auf's Reine bringen: रवं सुविनिर्णीय धर्मे भागवतम Basa. P. 6,2,20.
 - 🗕 परा weyführen. zurückführen: प्रने: कृत्यां कृत्याकृते रुस्तग्र्य परा